Romans 3:19-26

रोमियो ३:१९-२६

A Saving Grace

उद्धार देने वाली कृपा

Bryan Chapell

ब्रायन चैपल

09.10.17

 ०९.१०.१७

Introduction: Father taking bee sting in hand

प्रस्तावना : पिता मधुमक्खी का डंक हाथ में लेते है

Consider: In what way does our spiritual condition parallel a child fearing a bee sting?

ध्यान दे : हमारी आत्मिक स्थिति किस तरह से उस बच्चे जैसी है जो मधुमक्खी के डंक से डरता है ?

Key Question: How can we get out of the situation of being a fearful child before God’s wrath?

मुख्य सवाल :परमेश्वर के डर से हम दूर हो ऐसी स्थिति में हम कैसे रह सकते है?

                You must realize…

 हमे समझना है……

1. Your righteousness won’t save you

तुम्हारी धार्मिकता तुम्हे नहीं बचा सकती

1. God’s law stifles every excuse we offer (v19)

b.      God’s law reveals the sin of everyone (v20)

 परमेश्वर का नियम सारे पापों को जाहिर करता है (व् २०)

1. God’s Righteousness will save you

परमेश्वर की धर्मिता तुम्हे बचा सकती है

1. God’s righteousness is made known a part from law (v21a)

 पर अब बिना व्यवस्था परमेश्वर की वह धामिर्कता प्रगट हुई है (व् २१ आ)

b.      God’s righteousness is “pointed to” by law + prophets (v21b)

परमेश्वर की वह धामिर्कता प्रगट हुई है, जिस की गवाही व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता देते हैं (व् २१ बी)

Key question:

मुख्य सवाल:

1. What does the righteousness of God reveal?

परमेश्वर की धामिर्कता क्या प्रगट करती है?

1. There are plenty of sinners (v22b-23)

बहुत सारे लोग पापी है (व् २२ बी -२३)

b.      There is plenty of grace for sinners

पापी लोगों के लिए बहु साडी कृपा है

  i.     Courtroom explanation (v24a)

अदालत का विवरण (व् २४)

     ii.     Marketplace explanation (v24b)

          बाज़ार का विवरण

              iii.     Temple explanation (v25)

 मंदिर का विवरण ( व् २४ बी)

Conclusion: receive the gift of Grace by faith

निष्कर्ष: परमेश्वर की कृपा, भेंट है, उसे स्वीकार करें